भारत में श्री सीमेंट उद्योग के प्रदर्शन का मूल्यांकन

*डॉ. वंदना आहूजा

प्रस्तावना (Introduction)

भारत सम्पूर्ण विश्व में चीन के बाद दूसरा सबसे बडा सीमेंट उत्पादक देश है जिसका उत्पादन लगभग 540 मिलियन टन प्रतिवर्ष है तथा एक अनुमान के अनुसार यह वर्ष 2025 तक 600 मिलियन टन होने का अनुमान है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में नगरीकरण को तेजी से बढावा मिला है इसके अलावा केन्द्र सरकार ने भी भारत में स्मार्ट सिटिज को बढावा देने की दिशा में कदम बढाया है। भारत में 67 प्रतिशत सीमेंट की खपत प्रतिवर्ष भवन निर्माण कार्यों में हो जाती है जबकि 13 प्रतिशत सीमेंट का उपयोग आधारभूत संरचना के निर्माण हेतु उपयोग में लिया जाता है इसके अतिरिक्त लगभग 11 प्रतिशत सीमेंट का उपयोग व्यावसायिक कार्यो हेतु होता है तथा साथ ही साथ लगभग 9 प्रतिशत सीमेंट औद्योगिक कार्यों हेतु उपयोग में ली जाती है। केन्द्र सरकार द्वारा पिछले बजट में सीमेंट उद्योग को बढावा देने हेतु लगभग 25000 करोड रूपये का प्रावधान किया गया है। सीमेंट उद्योग हेतु कच्चा माल, श्रम आदि आसानी से उपलब्ध हो जाता है यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षो में इस उद्योग में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को बढावा मिला है।

श्री सीमेंट उद्योग का परिचय

भारत में श्री सीमेंट एक प्रमुख सीमेंट निर्माता कम्पनी है। इसका उद्भव अजमेर के ब्यावर क्षेत्र में वर्ष 1979 में हुआ था तथा वर्तमान में इसका हेडक्वार्टर कोलकाता में है। यह उत्तर भारत में सबसे बड़ी सीमेंट निर्माता कम्पनी है। इस कम्पनी की स्थापना श्री बी.जी.बांगड द्वारा की गई है। सीमेंट उत्पादन की दृष्टि से इसका उत्पादन लगभग 37. 9 मिलियन टन प्रतिवर्ष है। यदि इस कम्पनी की वार्षिक प्रगति की बात की जाए तो वर्ष 2013—14 में इसका टर्नओवर 58.58 बिलियन तथा शुद्ध लाभ 7.872 बिलियन था। वर्ष 2012—13 में इसका टर्नओवर 55.90 बिलियन तथा शुद्ध लाभ 10.39 बिलियन था इसी प्रकार वर्ष 2011—12 में टर्नओवर लगभग 34.53 बिलियन तथा शुद्ध लाभ 2.097 बिलियन था। वर्ष 2010—11 में टर्नओवर 36.34 बिलियन तथा शुद्ध लाभ 6.76 बिलियन था। वर्ष 2008—09 में इसका टर्नओवर 21.29 बिलियन तथा शुद्ध लाभ 2.603 बिलियन था। यदि श्री सीमेंट के संचालन से आय की बात की जाये तो वर्ष 2012—13 में यह 6169.08 था जो वर्ष 2016—17 में बढकर 9496.52 हो गया। इसी प्रकार अन्य स्त्रोंतों से आय की दृष्टि से वर्ष 2012—13 में यह 188.33 थी जो वर्ष 2016—17 में बढकर 507.71 हो गयी। इस प्रकार यदि कुल आय की बात की जाये तो वर्ष 2012—13 में यह 6357.41, वर्ष 2013—14 में यह 6729.27, वर्ष 2014—15 में यह 7314.69, वर्ष 2015—16 में यह 6862.64 तथा वर्ष 2016—17 में यह 10004.23 रही। इस प्रकार शुद्ध लाभ वर्ष 2012—13 में यह 1003.97, वर्ष 2013—14 में यह 787.24, वर्ष 2014—15 में यह 426.33, वर्ष 2015—16 में यह 1143.13 तथा वर्ष 2016—17 में यह 1339.11 रहा।

आय के आधार पर प्रगति विवरण

Particular	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
Revenue from Operations	6169.08	6544.31	7176.84	6189.96	9496.52
Other Income	188.33	184.96	137.85	672.68	507.71
Total Revenue	6357.41	6729.27	7314.69	6862.64	10004.23
Net Profit	1003.97	787.24	426.33	1143.13	1339.11

(Source : Annual Report of Shree Cement 2016-17)

साहित्य का पुनर्निरीक्षण (Review of Litreature)

उपर्युक्त शोध "**भारत में श्री सीमेंट उद्योग के प्रदर्शन का मूल्यांकन**" के संबंध में साहित्य का पुनर्निरीक्षण करने पर निम्न तथ्य उभर कर सामने आये –

भायानी (2010) के प्रस्तुत शोध "Determinants of Probability in Indian Cement Industry : An Economic Analysis" के अनुसार भारत में सीमेंट उद्योग के विकास हेतु कुछ निर्धारक तत्व है जिनमें संस्था का आकार, प्रबंध, संस्था की प्रगति, उत्पादन की लागत, उपभोक्ताओं द्वारा स्वीकार्यता, शोध आदि प्रमुख है। भारत में सीमेंट उद्योग के निर्धारकों में लाभ, ब्याज दरें, अवधि, मशीनों की उपलब्धता भी प्रमुख है।

मुखोपाध्याय (2012) के प्रस्तुत शोध "an Analytical Study of the Changing Structure in the Cement Industry of India" के अनुसार भारत में सीमेंट उद्योग की व्यापक संभावनाएं है किंतु वर्तमान में इस उद्योग हेतु नये परिवर्तनों की आवश्यकता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में सीमेंट उद्योग ने जिस तेज गति से विकास किया है जिसके परिणामस्वरूप भारत में अनेक बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का भी पदार्पण हुआ है जिससे भारत में प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण का निर्माण हुआ है।

भण्डी तथा कुमनूर (2013) के प्रस्तुत शोध "Problems and Prospects of Cement Industry" के अनुसार भारत में सीमेंट इण्डस्ट्री के लिए पूंजी, श्रम, कच्चा माल, ऋण, ब्याज दरें, भारी विनियोग, लम्बी अवधि जैसी अनेको समस्याएं है इस हेतु सरकार को इसे बढावा देने हेतु करों में छूट, रियायतों दरों पर भूमि एवं भवन की उपलब्धता, आसान ऋण, कम ब्याज दरें आदि प्रावधान करने की आवश्यकता है।

कुमार (2015) के प्रस्तुत शोध "Profitability Analysis of Selected Cement Companies in India" के अनुसार शोधकर्ता ने वर्ष 2005 से 2014 तक लाभों की स्थितियों का अध्ययन किया है जिसमें उन्होंने पाया कि इन वर्षों के दौरान भारत में सीमेंट इण्डस्ट्री की लगातार प्रगति हुई है तथा लाभों में बढोतरी हुई है। किंतु उन्होंने यह भी बताया कि भारत में सीमेंट इण्डस्ट्री के लाभों में बढोतरी हेतु लागतों पर नियंत्रण रखना बहुत आवश्यक है।

अध्ययन का उद्धेश्य (Objectives of the Study)

उपर्युक्त शोध "**भारत में श्री सीमेंट उद्योग के प्रदर्शन का मूल्यांकन**" के मुख्य उद्धेश्य निम्नलिखित है–

(1) श्री सीमेंट की पिछले वर्षों में हुई प्रगति का मूंल्यांकन करना।

(2) केन्द्र सरकार द्वारा सीमेंट इण्डस्ट्री को बढावा देने हेतु उठाये गये कदमों का अध्ययन करना।

(3) सीमेंट इण्डस्ट्री की समस्याओं तथा भावी संभावनाओं का अध्ययन करना।

(4) श्री सीमेंट की वर्ष 2016–17 के वार्षिक प्रतिवेदन का अध्ययन करना तथा निष्कर्ष निकालना।

परिकल्पना (Hypotheses)

उपर्युक्त शोध "**भारत में श्री सीमेंट उद्योग के प्रदर्शन का मूंल्यांकन**" के अन्तर्गत निम्नलिखित परिकल्पनाओं का परीक्षण किया जायेगा।

(1) श्री सीमेंट उद्योग ने पिछले वर्षों में लगातार प्रगति की है।

(2) श्री सीमेंट उद्योग के लाभों में प्रतिवर्ष वृद्धि हुई है।

(3) अन्य सीमेंट कम्पनियों की तुलना में श्री सीमेंट का प्रदर्शन बेहतर रहा है।

(4) श्री सीमेंट उद्योग की भावी संभावनाएं बहुत व्यापक है।

अनुसंधान पद्धति (Research Methodology)

किसी भी वैज्ञानिक शोध की आधारशिला आंकड़ों के एकत्रीकरण तथा उनके सही ढंग से विश्लेषण पर टिकी हुई है। इस हेतु उचित निष्कर्षों तक पहुँचने के लिए यह कार्य वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित होना चाहिए। अतः इसके लिए एक शोध प्रारचना या अनुसंधान पद्धति का निर्धारण आवश्यक है। एक अच्छी शोध प्ररचना के निर्माण के लिए शोधार्थी को शोध प्ररचना में शोध के विषय के प्रत्येक पक्ष का योजनाबद्ध तरीके से उचित निर्धारण करना चाहिए जिससे शोध कार्य को सही दिशा मिल सके तथा किये गये शोध से सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सके।

शोध प्रक्रिया के अन्तर्गत समस्या का विश्लेषण, परिकल्पना का निर्माण, अवलोकन, आधार सामग्री का संकलन, वर्गीकरण, विश्लेषण तथा निर्वचन एवं निष्कर्षों तक पहुँचने की चरणबद्ध विवेचना की जाती है। शोध व्यूह रचना का शोध अध्ययन में महत्वपूर्ण स्थान होता है। प्रकार एवं स्त्रोत के अनुसार तथ्य सामग्री को दो भागों में बांटा जाता है – प्राथमिक तथ्य तथा द्वितीयक तथ्य। प्राथमिक तथ्य सामग्री को शोधकर्ता स्वयं घटना स्थल पर जाकर या सम्बन्धित व्यक्तियों से साक्षात्कार, प्रश्नावली, अवलोकन आदि के माध्यम से प्राप्त करता है। जबकि द्वितीयक तथ्य व्यक्तिगत प्रलेखों तथा सार्वजनिक प्रलेखों से प्राप्त किये जाते है। व्यक्तिगत प्रलेखों में प्रकाशित तथा अप्रकाशित दोनों प्रकार की सामग्री को शामिल किया जाता है।

अध्ययन का क्षेत्र (Scope of the Study)

उपर्युक्त शोध "**भारत में श्री सीमेंट उद्योग के प्रदर्शन का मूंल्यांकन**" के अन्तर्गत यह जानने का प्रयास किया जायेगा कि वर्तमान समय में श्री सीमेंट का प्रदर्शन अन्य कम्पनियों की तुलना में किस प्रकार का रहा है। क्या पिछले वर्षों की तुलना में श्री सीमेंट का उत्पादन बढा है। पिछले वर्षों में श्री सीमेंट का वार्षिक उत्पादन तथा लाभ का प्रतिशत क्या रहा है। इस प्रकार उपर्युक्त शोध द्वितीयक संमंको के आधार पर किया जायेगा इस हेतु पुराने प्रतिवेदन, सरकारी प्रलेख, शोध पत्र, श्री सीमेंट की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट, समाचार पत्र आदि का अध्ययन किया जायेगा।

अध्ययन की सीमाएँ (Limitations of the Study)

उपर्युक्त शोध "**भारत में श्री सीमेंट उद्योग के प्रदर्शन का मूल्यांकन**" की कुछ सीमाएँ हैं। प्रथम तो यह अध्ययन द्वितीयक आँकड़ों पर निर्भर है। इस प्रकार द्वितीयक आँकड़ों के अन्तर्गत आंकडों की उपलब्धता, समयावधि आदि के कारण तथा धन के अभाव के कारण उक्त निष्कर्षों पर प्रभाव पड़ सकता है।

श्री सीमेंट के प्रदर्शन का मूंल्यांकन (Performance Appraisal of Shree Cement)

Appraisal of Growth of 10 Years'

Parameter	UoM	2016-17	2006-07	CAGR
Cement Capacity	MTPA	29.3	5.6	18.00%
Power Capacity	MW	607	65	25.03%
Revenues from Operations	In Crore	9497	1613	19.40%
Operating Profit	In Crore	2875	611	16.75%
Net Profit	In Crore	1339	177	22.43%
Net Worth	In Crore	7698	455	32.70%

(Source : Annual Report of Shree Cement 2016-17)

उक्त रिपोर्ट का अध्ययन करने पर यह ज्ञात होता है कि वर्ष 2006–07 में श्री सीमेंट का उत्पादन 5.6 मिट्रिक टन था जो वर्ष 2016–17 में बढकर 29.3 मिट्रिक टन हो गया। इसी प्रकार वर्ष 2006–07 में श्री सीमेंट की पॉवर केपेसटी 65 मेगावाट थी जो वर्ष 2016–17 में बढकर 607 मेगावाट हो गयी। यदि संचालन से आय की बात की जाए तो वर्ष 2006–07 में श्री सीमेंट की संचालन से आय 1613 करोड थी जो वर्ष 2016–17 में बढकर 9497 करोड रूपये हो गयी। यदि शुद्ध लाभ की बात की जाए तो वर्ष 2006–07 में श्री सीमेंट का शुद्ध लाभ 177 करोड रूपये था जो वर्ष 2016–17 में बढकर 1339 करोड रूपये हो गया। इस प्रकार उक्त आंकडो का अध्ययन करने पर यह पाया गया कि पिछले दस वर्षों की अवधि में लगभग सभी क्षेत्रों में श्री सीमेंट ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

Operational Performance

Particular	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17
Cement Production	123.32	142.22	159.22	140.99	202.87
Cement Sales	124.61	142.52	161.62	142.43	205.86
Net Power Generation	35685	29101	29874	26114	28947
Power Sales	26103	18597	18851	17390	16583
Power Consumption	78.23	75.19	73.78	72.13	69.99
Fuel Consumption	10.44	10.07	10.04	9.69	9.76

(Source : Annual Report of Shree Cement 2016-17)

उक्त रिपोर्ट का अध्ययन करने पर यह ज्ञात होता है कि वर्ष 2012–13 में श्री सीमेंट का सीमेंट उत्पाद 123.32 था जो वर्ष 2016–17 में बढकर 202.87 हो गया। इसी प्रकार सीमेंट विक्रय में वर्ष 2012–13 में श्री सीमेंट का विक्रय 124.61 था जो वर्ष 2016–17 में बढकर 205.86 हो गया। अतः उक्त अध्ययन से यह पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में श्री सीमेंट का जहां एक ओर उत्पादन बढा है वहीं दूसरी ओर सीमेंट विक्रय में भी श्री सीमेंट ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

Financial Performance

Particular	**2012-13**	**2013-14**	**2014-15**	**2015-16**	**2016-17**
Revenue from Operations	6169.08	6544.31	7176.84	6189.96	9496.52
Other Income	188.33	184.96	137.85	672.68	507.71
Total Revenue	6357.41	6729.27	7314.69	6862.64	10004.23
EBIDTA	1749.25	1574.76	1481.70	2079.59	2874.94
Depreciation and Amortization	435.63	549.91	924.78	827.57	1214.71
Financial Cost	193.14	129.19	120.63	75.77	129.42
Profit before Tax	1119.14	815.15	400.83	1176.25	1530.81
Tax Expenses	115.45	27.91	25.50	33.12	191.70
Net Profit	1003.97	787.24	426.33	1143.13	1339.11
Cash EPS	406.34	369.74	372.81	556.02	694.45
Basic and Diluted EPS	288.19	225.98	122.38	328.13	384.39

(Source : Annual Report of Shree Cement 2016-17)

यदि श्री सीमेंट के संचालन से आय की बात की जाये तो वर्ष 2012–13 में यह 6169.08 था जो वर्ष 2016–17 में बढकर 9496.52 हो गया। इसी प्रकार अन्य स्त्रोंतों से आय की दृष्टि से वर्ष 2012–13 में यह 188.33 थी जो वर्ष 2016–17 में बढकर 507.71 हो गयी। इस प्रकार यदि कुल आय की बात की जाये तो वर्ष 2012–13 में यह 6357. 41, वर्ष 2013–14 में यह 6729.27, वर्ष 2014–15 में यह 7314.69, वर्ष 2015–16 में यह 6862.64 तथा वर्ष 2016–17 में यह 10004.23 रही। इस प्रकार शुद्ध लाभ वर्ष 2012–13 में यह 1003.97, वर्ष 2013–14 में यह 787. 24, वर्ष 2014–15 में यह 426.33, वर्ष 2015–16 में यह 1143.13 तथा वर्ष 2016–17 में यह 1339.11 रहा। अतः उक्त अध्ययन से यह पता चलता है कि पिछले पांच वर्षों में श्री सीमेंट का जहां एक ओर संचालन से आय में लगातार वृद्धि हुई है वहीं दूसरी ओर शुद्ध लाभों में भी श्री सीमेंट ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

निष्कर्ष (Conclusion)

हालांकि भारत में अन्य उद्योगों की तुलना में सीमेंट उद्योग का भविष्य काफी उज्जवल है इसका प्रमुख कारण यह है कि भारत में पिछले कुछ वर्षों में नगरीयकरण को काफी बढावा मिला है जिसके कारण शहरों का विस्तार होता जा रहा है तथा सरकार भी शहरों में काफी विकास कार्य करवा रही है तथा आधारभूत संरचनात्मक ढांचा जनता हेतु उपलब्ध करवा रही है जिसके कारण सीमेंट की काफी मांग बढती जा रही है। यही कारण है सीमेंट उद्योग में बहुत सी कम्पनियां पदार्पण कर चुकी है जैसे बिनानी सीमेंट, अम्बुजा सीमेंट, मंगलम सीमेंट, ए.सी.सी सीमेंट आदि। यदि श्री सीमेंट की बात की जाए तो पिछले वर्षों में लगातार श्री सीमेंट ने अच्छा प्रदर्शन किया है किंतु फिर भी इस उद्योग को लागतों पर नियंत्रण, आधुनिक मशीनों का उपयोग, सस्ते दर पर कच्चे माल की उपलब्धता, वैश्विक

बाजार में संभावनाएं तलाशना, गैर–रिहायशी इलाकों तथा पिछडे क्षेत्रों में प्लाण्ट की स्थापना जैसे कुछ तत्वों पर ध्यान देना चाहिए जिससे इस उद्योग की प्रगति लगातार संभव हो सके।

***सह–आचार्य**
लेखा एवं व्यावसायिक सांख्यिकी विभाग
राजकीय महाविद्यालय, बारां (राज.)

References

1. Kumar, M.S. Pasha, M.S. & Prakash T.N. (2015). Profitability Analysis of Selected Cement Companies in India. International Journal of Multidisciplinary Research and Modern Education.
2. Mukhopadhyaya, J.N. Roy, M.&Raychaudhuri (2012). An Analytical Study of the Changing Structure in the Cement Industry of India. International Management Journal.
3. Annual Report of Shree Cement 2013-14
4. Pareek A. & Pincha S. (2015). Indian Cement Industry : A Road Ahead. International Journal in Management and Social Science
5. Annual Report of Shree Cement 2016-17
6. Panigrahi A. K (2013). Liquidity Management of Indian Cement Companies – A Comparative Study. IOSR Journal of Business and Management.
7. Bhandi, J.S. & Kumnoor B. (2013). Problems and Prospects of Cement Industry. India Streams Research Journal, page 1-4.
8. Annual Report of Shree Cement 2014-15
9. Annual Report of Shree Cement 2015-16
10. Bhayani, S.J. (2010). Determinants of Profitibility in Indian Cement Industry: An Economic Analysis. South Asian Journal of Management.